श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा

(डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या)

शैक्षणिक भ्रमण दल: रिपोर्ट

सत्र: 2019-20 (06 दिसम्बर, 2019)

द्वारा

रक्षा एवं स्त्रातजिकअध्ययन विभाग

श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा

शैक्षणिक भ्रमण दल रिपोर्ट

पाठ्यक्रम आधारित कक्षाओं के साथ साथ छात्र छात्राओं के व्यक्तित्व विकास एवं व्यवहारिक ज्ञान को समृद्ध करने हेतु शैक्षणिक भ्रमण दल एक महत्वपूर्ण क्रियाकलाप के रूप में जाना जाता है। इस दृष्टि से रक्षा अध्ययन विषय के छात्र छात्राओं का एक शैक्षणिक भ्रमण दल भारत नेपाल सीमा से सटे जनपदों की वस्तु- स्थिति से अवगत कराने के लिए आयोजित किया गया।

छात्र / छात्राओं ने विभागीय शिक्षकों के साथ इस भ्रमण में प्रतिभाग किया। इस भ्रमण दल द्वारा सर्वप्रथम महात्मा बुद्ध की तपस्थली, जो कि जनपद श्रावस्ती की सहेट महेट में स्थित है, का भ्रमण किया। महात्मा बुद्ध की सभी तपस्थलिओं को वर्ष 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से बुद्ध सर्किट के रूप में विकसित करने पर काफी बल दिया जा रहा है। श्रीलंका, भूटान, थाईलैंड, जापान आदि देश जहाँ भी बौद्ध अनुयायी अधिक हैं, इस तपस्थली पर दर्शन करने आते हैं। भारतीय विदेश नीति एवं कूटनीतिक उत्थान की दृष्टि से बौद्ध धर्म अनुयायी देशों के साथ द्विपक्षीय सांस्कृतिक मेल- जोल एक अति महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जाता है।

इसके पश्चात छात्र छात्राओं के भ्रमण दल ने जिला बलरामपुर स्थित तुलसीपुर में देवी सती के 51 शक्तिपीठों में से एक माँ पाटेश्वरी मन्दिर का दर्शन किया। बताते चले कि तुलसीपुर क्षेत्र से ही भारत नेपाल सीमा पर बढ़नी और कोयलाबास सीमा चौकी का मार्ग जाता है। शैक्षणिक भ्रमण दल तुलसीपुर से सिरसिया होते हुए भिनगा के रास्ते पर आगे बढ़ा। तुलसीपुर से भिनगा का यह मार्ग सोहेलवा वन क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। इस मार्ग पर जगह जगह पर पहाड़ी नाले तथा वनाच्छादित क्षेत्र हैं और निश्चित स्थानों पर सशस्त्र सीमा बल के रूप में अर्धसैनिक बलों की व्यवस्थित निगरानी चौकियाँ स्थापित हैं।

इस क्षेत्र से होते हुए छात्र / छात्राओं का यह दल विभूति नाथ मंदिर पहुंचा। विभूति नाथ मन्दिर एक प्राचीन शिव मन्दिर है तथा इसके निकट ही सीमा सुरक्षा और गश्त करने की सुविधानुरूप सशस्त्र सीमा बल के जवानों की एक स्थायी चौकी की स्थापना भी की गयी है। छात्र छात्राओं द्वारा सशस्त्र सीमा बल के जवानों के साथ एक विमर्श भी कराया गया। इस चर्चा में छात्र छात्राएं काफी उत्साहित दिखे। जवानों द्वारा बताया गया कि वे किस प्रकार इस सीमा क्षेत्र में सकुशल गश्ती कार्य सम्पन्न करते हैं। एक और महत्वपूर्ण बात प्रकाश में आयी कि यह पूरा क्षेत्र खतरनाक जंगली जानवरों का गढ़ भी है। इसलिए जवानों को गश्त कार्य के दौरान इन जानवरों से सतर्क रहना होता है। इस ठहराव के बाद यह शैक्षणिक भ्रमण दल श्रावस्ती जिला मुख्यालय भिनगा होता हुआ वापस गोण्डा आ

गया। प्रकृति की नैसर्गिक सुन्दरता, वनाच्छादित क्षेत्र, रोमांच और अर्धसैनिक बलों के जवानों का सानिध्य निश्चित ही काफी ज्ञानवर्द्धक रहा।

इस शैक्षणिक भ्रमण दल में लगभग 66 छात्र- छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा विभागीय सदस्यों में डॉ कृष्णा नन्द पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, डॉ आर बी एस बघेल, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ विश्व दीपक त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ धर्मेंद्र कुमार शुक्ल, असिस्टेंट प्रोफेसर, श्री अमित कुमार शुक्ल, अतिथि प्रवक्ता शामिल रहे।